>

Title: Increasing incidents of suicides by higher officers and employees in the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): श्री राजाराम पाल जी के भाषण के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका आभारी हूं।

बड़े दुख के साथ मैं इस सदन के संज्ञान में लाना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश के एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री हरमिंदर सिंह ने कल आत्महत्या कर ली है। आईएएस अधिकारी केन्द्र सरकार के अधिकारी होते हैं और डेपुटेशन पर राज्यों में भेजे जाते हैं। आत्महत्या का मुख्य कारण यह था कि उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री और कैबिनेट सेक्रेटरी ने छोटे कर्मचारियों और अधीनस्थ अधिकारियों के बीच में इतना डांट दिया कि वह खुदकुशी के लिए तैयार हुए।

अध्यक्ष महोदया : शैलेन्द्र कुमार जी, आपने कहा था कि आप किसी प्रदेश विशेष से सम्बन्धित मामला यहां नहीं उठाएंगे।

श्री शैलेन्द्र कुमार : यहां आज पश्चिम बंगाल की बात हुई, आज उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था भी बहुत खराब है।

अध्यक्ष महोदया : नहीं-नहीं। अब आप अपना स्थान ग्रहण कीजिए।

श्री शैलेन्द्र कुमार : इसलिए मैं मांग करता हूं कि इसकी सीबीआई जांच कराई जाए। ...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): महोदया, यह सदन का दुर्भाग्य है कि यहां किसी अधिकारी की मौत पर भी राजनीति हो रही है।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : यहां तक कि आत्महत्या में जो बुलेट इस्तेमाल हुआ, वह बरामद नहीं हुआ, सुसाइड नोट को भी गायब कर दिया गया। ...(व्यवधान) मेरी मांग है कि इसकी सीबीआई जांच कराई जाए और उत्तर प्रदेश सरकार को बर्खास्त किया जाए। यह ऐसे पहले अधिकारी नहीं है, पहले भी कई अधिकारियों की इस प्रकार से हत्या हुई है।...(व्यवधान) वह आत्महत्या करने के लिए मजबूर हुए हैं। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से यह मांग करता हूं कि तत्काल इसकी सीबीआई जांच कराई जाए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जगदम्बिका पाल जी, आप अपने को इससे सम्बद्ध कर लीजिए।

श्री जगदम्बिका पाल : महोदया, मैं केवल एक बात कहना चाहता हूं कि इस मामले की सीबीआई से जांच कराई जाए।

श्री दारा सिंह चौहान : आत्महत्या करने के पीछे उनका पारिवारिक मामला था, वह काफी समय से बीमार चल रहे थे।